3. pôstna nedeľa – Poklona sv. krížu

KYPIAKH Γ' ΤΩΝ ΝΗΣΤΕΙΩΝ, ΤΗΣ ΣΤΑΥΡΟΠΡΟΣΚΥΝΗΣΕΩΣ

Недѣ́лѧ тре́тїѧ ст҃ы́хъ постѡ́въ, поклоне́нїе пра́здѹемъ ч҃тна́гѡ и҆ животворѧ́щагѡ кр҇та̀.

4. hlas // 4th echos

Εις τούς Αίνους, Ήχος δ' Ως γενναίον εν Μάρτυσιν

На хвали́техъ: гла́съ д҃. Подо́бенъ: Ꙗ҆́кѡ до́блѧ:

4 z oktoichu (8-5), 3 z Triodia, pozor na poradie!!!!

© 2024 irmologion.nfo.sk

Vzor // Model

Ἤχος δ' Ὡς γενναίον ἐν Μάρτυσι // На хвали́техъ стїхи̑ры на д҃, гла́съ д҃. Подо́бенъ: Ꙗ҆́кѡ до́блѧ:

1a Ως γεν<u>ναί</u>ον εν <u>Μάρ</u>τυσιν,
1b αθλοφόρε Γε<u>ώρ</u>γιε, //
1c συνελ<u>θόν</u>τες <u>σή</u>μερον,
ευφημ<u>ού</u>μέν σε. //

2a **ότι** τόν δρόμον τε<u>τέ</u>λεκας,
2b τήν πίστιν τε<u>τή</u>ρηκας, //
2c καί εδέξω εκ Θεού
2d τόν τής νίκης σου <u>στέ</u>φανον. //

3a **όν** ικέτευε,
3b εκ φθοράς καί κινδύνων λυτρω<u>θή</u>ναι, //
3c τούς εν πίστει εκτε<u>λούν</u>τας,
3d τήν αεισέβαστον <u>μνή</u>μην σου. //

Εν φωναίς αλαλάξωμεν, εν ωδαίς μεγαλύνωμεν, / τόν Σταυρόν τόν τίμιον, ασπαζόμενοι, / καί πρός αυτόν εκβοήσωμεν, Σταυρέ πανσεβάσμιε, / καθαγίασον ημών τάς ψυχάς καί τά σώματα, / τή δυνάμει σου, καί παντοίας εκ βλάβης εναντίων, / διατήρησον ατρώτους τούς ευσεβώς προσκυνούντάς σε. /	Во гла́сѣхъ воскли́кнемъ, въ пѣ́снехъ возвели́чимъ, крⷭ҇тъ честный ѡ҆блобыза́юще, и҆ къ немꙋ̀ возопі́имъ: крⷭ҇те всече́стне, ѡ҆ст҃ѝ на́ша дꙋ́шы и҆ тѣлеса̀ си́лою твое́ю, и҆ ѿ всѧ́кагѡ вре́да сопроти́вныхъ соблюдѝ невреждє́ны, бл҃гоче́стнѡ покланѧ́ющыѧсѧ тебѣ̀.
Προσελθόντες αρύσατε, μή κενούμενα νάματα, / τού Σταυρού τή χάριτι, προερχόμενα, / ιδού προκείμενον βλέποντες τό Ξύλον τό άγιον, / χαρισμάτων τήν πηγήν αρδομένην τώ Αίματι / καί τώ ύδατι τού Δεσπότου τών όλων, τού εν τούτω, / εκουσίως υψωθέντος καί τούς βροτούς ανυψώσαντος. /	Пристꙋпи́вше почерпи́те неистощаємыхъ во́дъ, крⷭ҇та̀ бл҃года́тїю пролива́емыхъ: сѐ предлежа́щее ви́дѧще дре́во ст҃о́е, дарова́нїй и҆сто́чникъ, напое́ное кро́вїю и҆ водо́ю вл҃ки всѣ́хъ, на то́мъ во́лею вознє́сшагѡсѧ, и҆ земныѧ воздви́гшагѡ.
Εκκλησίας εδραίωμα, βασιλέων κραταίωμα / μοναζόντων καύχημα καί διάσωσμα, / σύ εί Σταυρέ πανσεβάσμιε, διό προσκυνούντές σε,/ καί καρδίας καί ψυχάς, φωτιζόμεθα σήμερον, / θεία χάριτι, τού εν σοί προσπαγέντος, καί τό κράτος, / τού δολίου καθελόντος καί τήν αράν αφανίσαντος. /	Цр҃кве ᲂу҆твержде́нїе, ** vírnych deržáva ** мона́шествꙋющихъ похвала̀ и҆ сп҃се́нїе, ты̀ є҆сѝ крⷭ҇те всече́стне: тѣ́мже покланѧ́ющесѧ тебѣ̀, и҆ се́рдцемъ и҆ дꙋше́ю просвѣща́емсѧ дне́сь, бж҃е́ственною бл҃года́тїю на тебѣ̀ пригвозди́вшагѡсѧ, и҆ держа́вꙋ льсти́вагѡ разори́вшагѡ, и҆ клѧ́твꙋ потре́бльшагѡ.

4. & 1.

4. Хвали́те є҆го̀ въ тѵ̈мпа́нѣ и҆ ли́цѣ, хвали́те є҆го̀ во стрꙋ́нахъ и҆ ѻ҆рга́нѣ.

1. Бг҃ъ же цр҃ь на́шъ пре́жде вѣ́ка, содѣ́ла сп҃се́нїе посредѣ̀ земли̇̀.

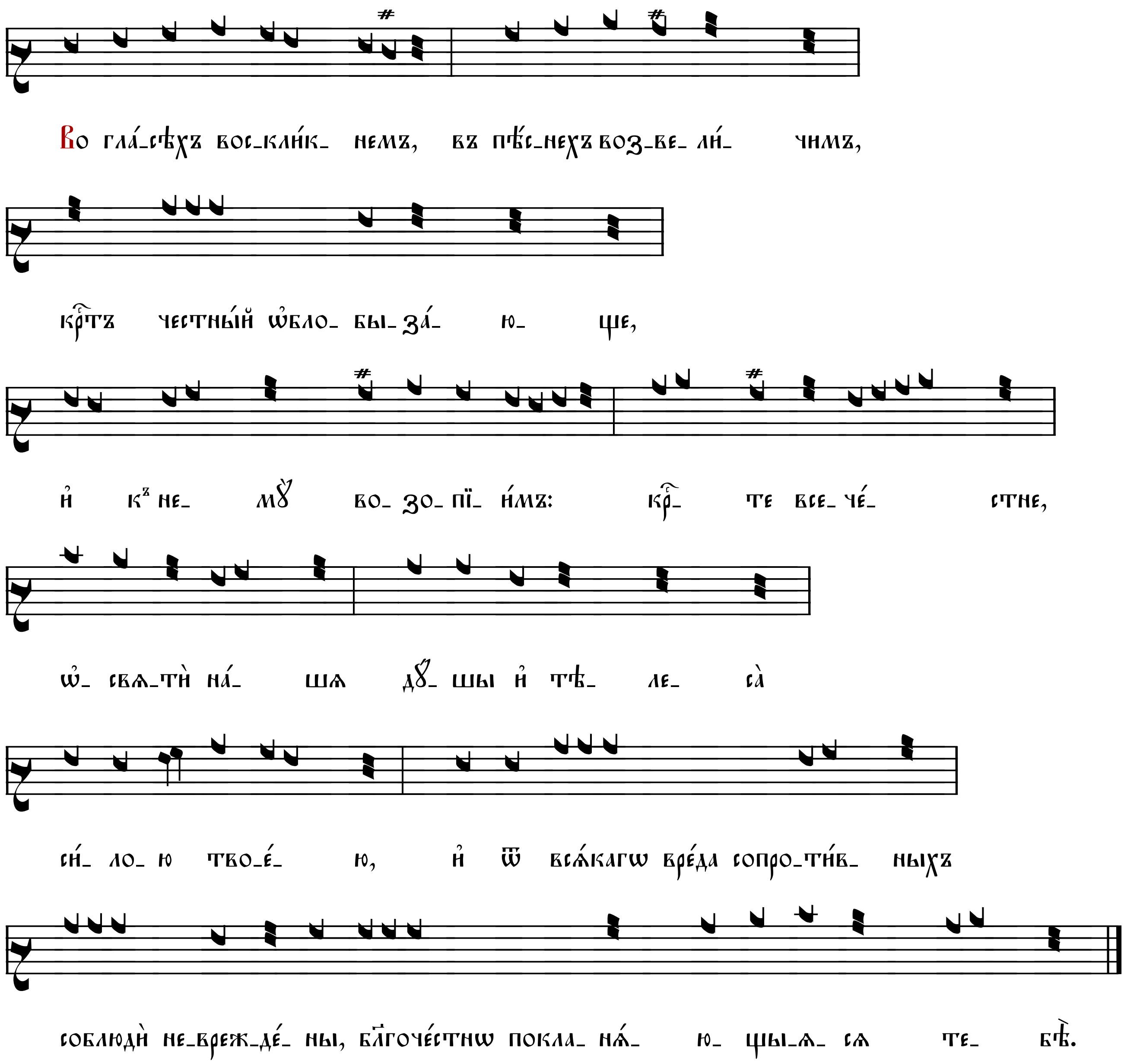

3.

Хвали́те є҆го̀ въ кѷмва́лѣхъ доброгла́сныхъ. хвали́те є҆го̀ въ кѷмва́лѣхъ воскли́цанїѧ. Всѧ́кое дыха́нїе да хвали́тъ гдⷭ҇а.

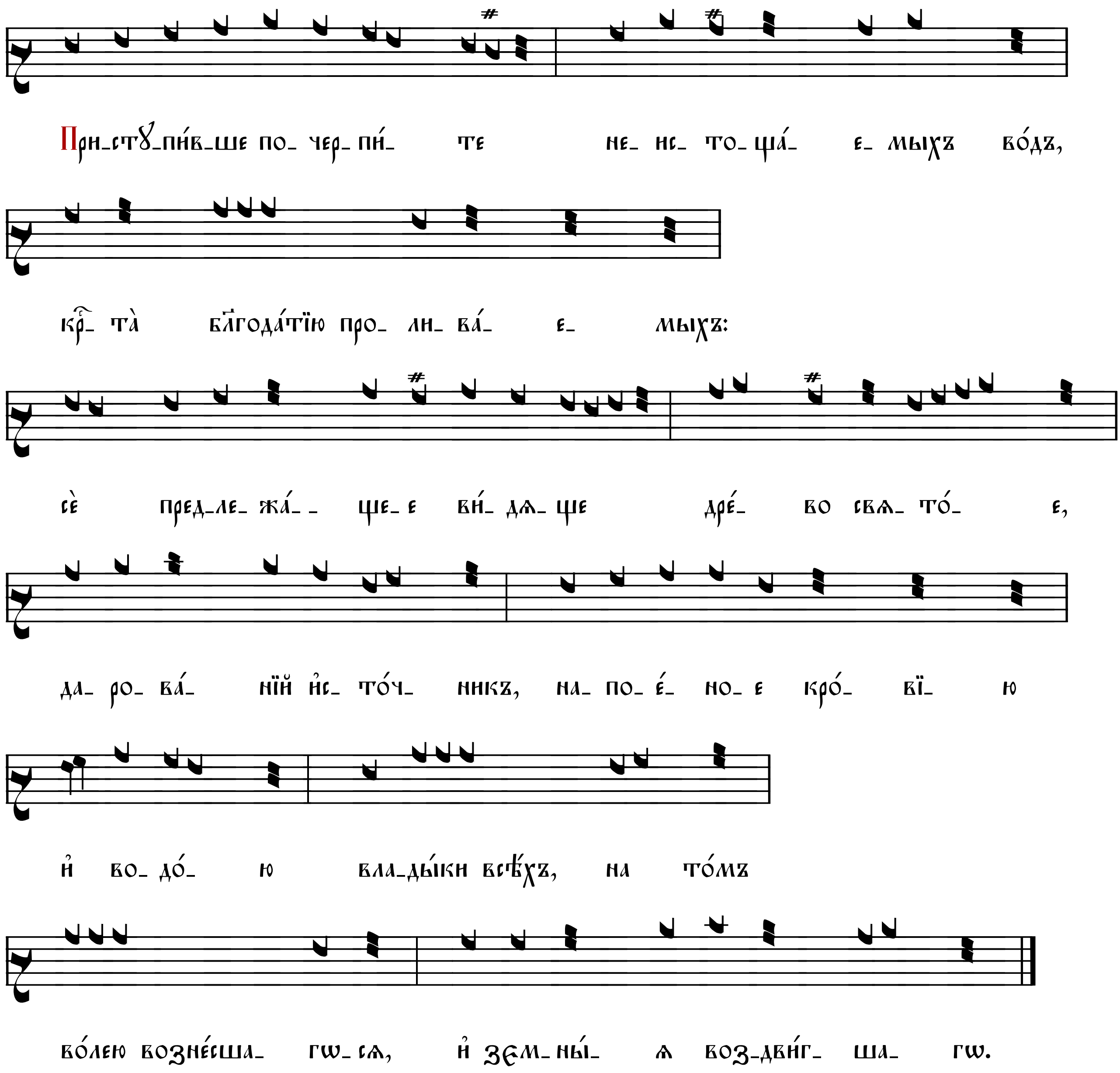

2.

Стїхъ: Возноси́те Гдⷭ҇а Бг҃а на́шего, и҆ покланѧ́йтесѧ подно́жїю но́гꙋ є҆гѡ̀, ꙗ҆́кѡ ст҃о є҆́сть.

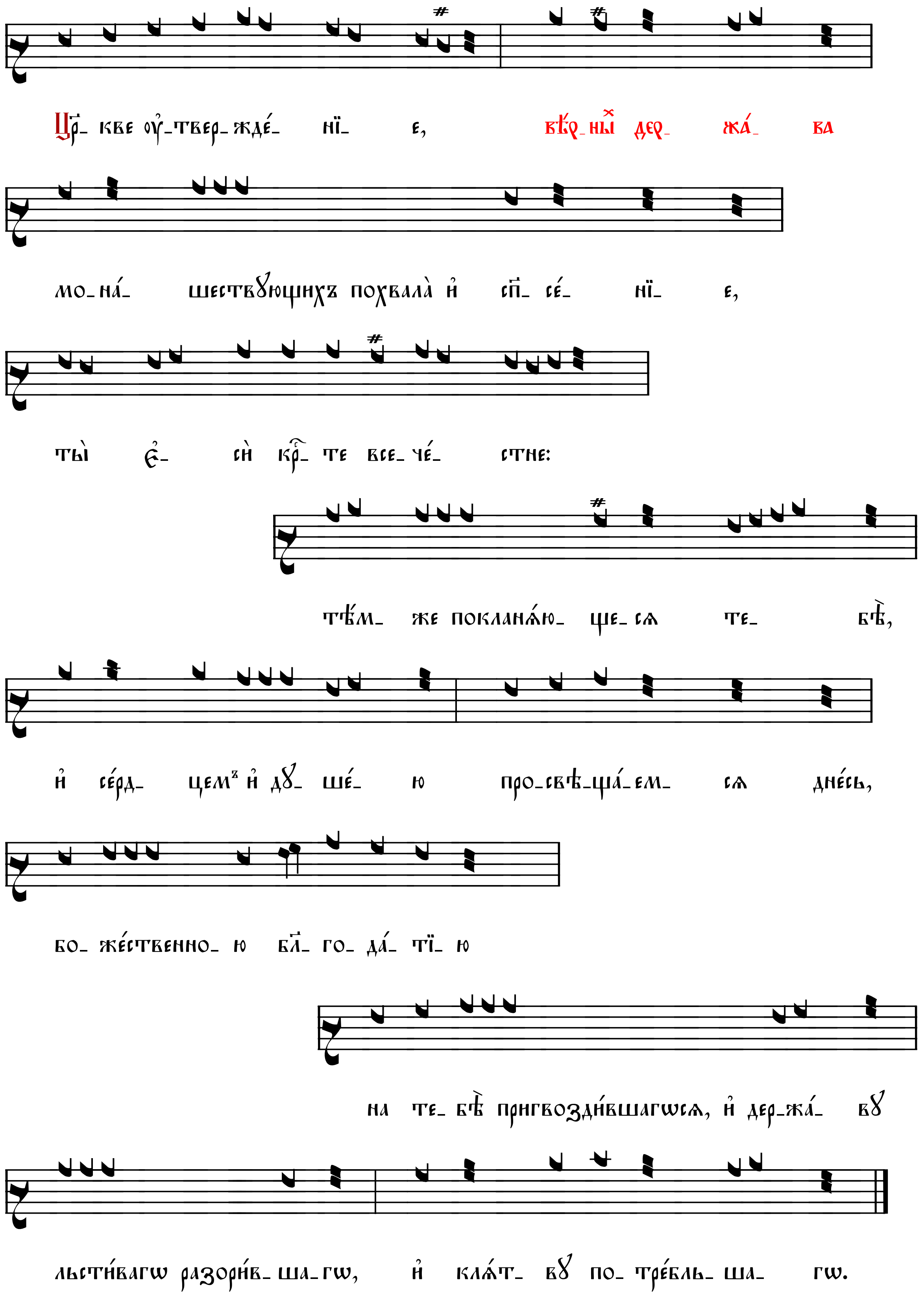

Бг҃ъ гдⷭ҇ь, во гла́съ ѻ҆смогла́сника, и҆ глаго́лемъ тропа́рь воскрⷭ҇ный, два́жды.
Сла́ва, крⷭ҇тный: Сп҃си̑ гдⷭ҇и лю́ди твоѧ̑: И҆ ны́нѣ, бг҃оро́диченъ: Гаврїи́лꙋ вѣща́вшꙋ:

Сѣда́льны глаго́лемъ воскрⷭ҇ны.

По полѵеле́н, [а҆́ще гдѣ̀ хра́мъ ст҃на́гѡ крⷭ҇та̀] сѣда́ленъ крⷭ҇та̀, гла́съ и҃. Подо́бенъ: Повелѣ́нное та́йнѡ:

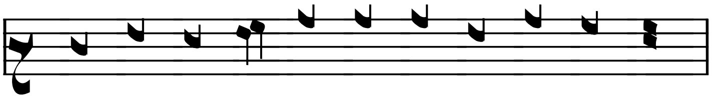

Въ ра- и҆ оу- бѡ пре́-жде дре́-вомъ ѡ҆б-на- жи̑

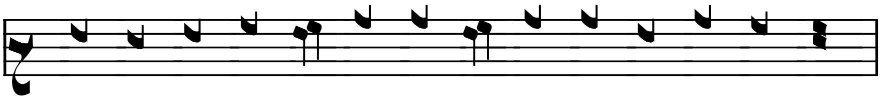

ѡ҆ вкꙋ-ше́- нї- и вра́гъ на- но- сѧ̀ оу-мерщ-вле́- нї- е,

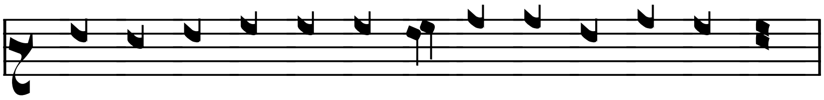

крⷭ҇- та́ же дре́- во, жи- во- та̀ ѡ҆- дѣ- ѧ́- нї- е

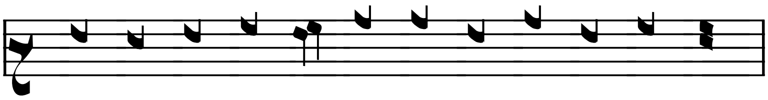

че- ло- вѣ́-кѡмъ но- сѧ̀, на- ве- дѐ на зем-ли̑,

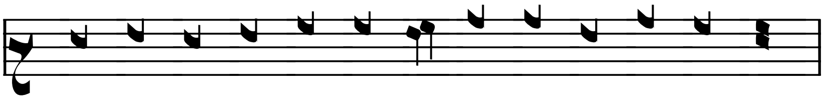

и҆ мі́ръ ве́сь и҆с- по́л-ни- сѧ всѧ́-кї- ѧ ра́- до- сти.

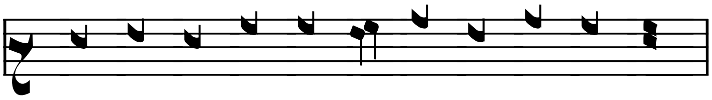

є҆- го́- же ви- дѧ- ще по- кла-нѧ́- е- ма,

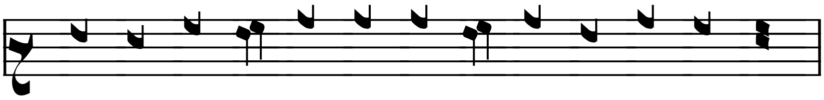

бо́- гꙋ въ вѣ́-рѣ лю́- дї- е со- гла́- снѡ воз-зо- ве́мъ:

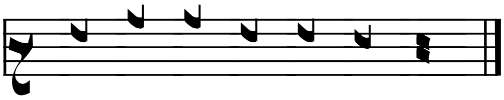

и҆с-по́лнь хра́мъ сла́-вы є҆- гѡ̀. [Два́жды.]

Степе́нна гла́са.

Po 3. piesni

Сѣда́ленъ, гла́съ ѕ҃:

Кр҇тъ тво́й, гдⷭ҇и, ѡ҆чⷮти́сѧ / въ не́мъ бо быва́ютъ и҆сцѣлє́нїѧ болѧ́щымъ во грѣсѣ́хъ: //
и҆̀мже тебѣ̀ припа́даемъ, / поми́лѹй на́съ. //

Сті́хъ: Возноси́те гдⷭ҇а бг҃а на́шего, и҆ покланѧ́йтесѧ подно́жїю но́гѹ є҆гѡ̀, ꙗ҆́кѡ ст҃о є҆́сть.

Дне́сь прⷪ҇ро́ческое и҆спо́лнисѧ сло́во: /
сѐ бо покланѧ́емсѧ, на мѣ́сто, и҆дѣ̀же стоѧ́стѣ но́зѣ твои̑ гдⷭ҇и: //
и҆ дре́ва спасе́нїѧ вкѹ́сивше, / грѣхо́вныхъ страсте́й свобо́дѹ ѹ҆лѹчи́хомъ, //
мл҇твами бцⷣы, / є҆ди́не чл҇вѣколю́бче. //

Сла́ва:

То́кмѡ водрѹзи́сѧ дре́во хрⷭ҇тѐ крⷭ҇та̀ твоегѡ̀, / ѡ҆снова̑нїѧ поколеба́шасѧ сме́рти гдⷭ҇и: //
є҆го́же бо поглотѝ жела́нїемъ а҆́дъ / ѿпѹстѝ тре́петомъ. //
ꙗ҆ви́лъ є҆сѝ на́мъ спⷭ҇е́нїе твоѐ ст҃ы́й, / и҆ славосло́вимъ тѧ̀ сн҃е бж҃їй, // поми́лѹй на́съ. //

И҆ ны́нѣ:

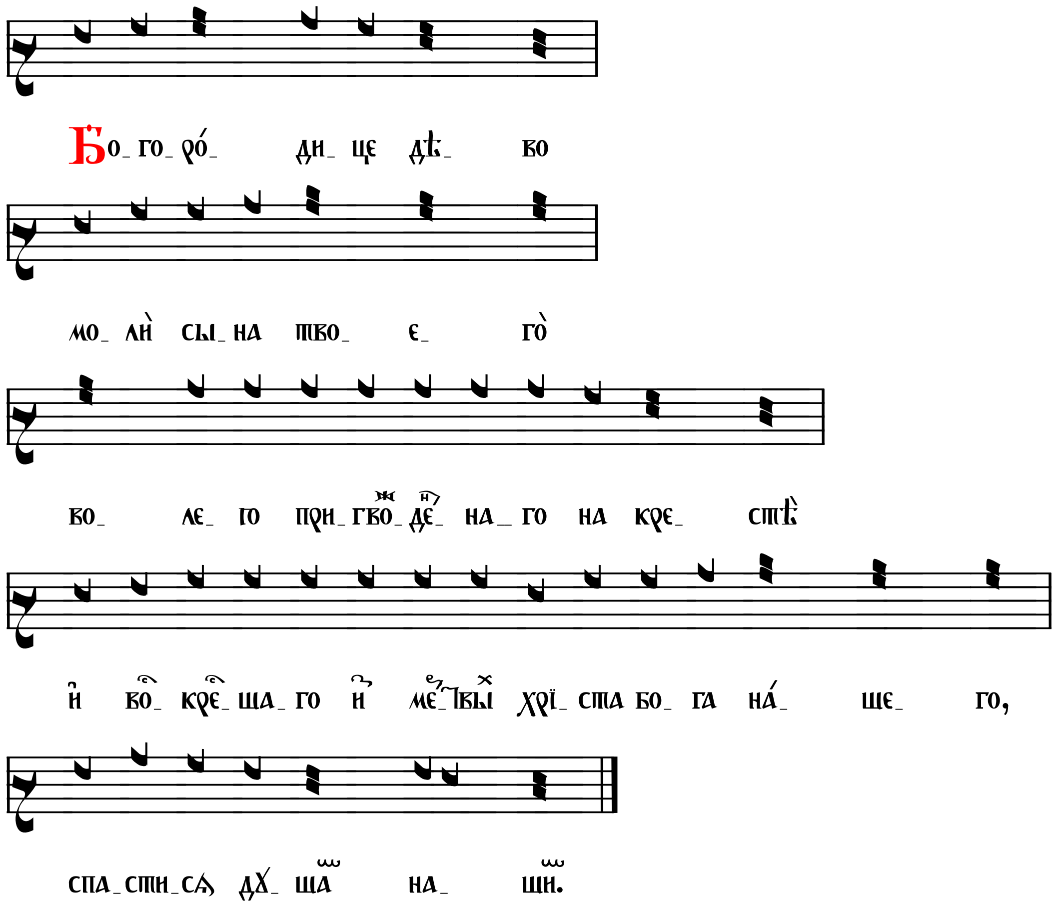

Кондáкъ, глáсъ з҃. Самоглáсенъ:

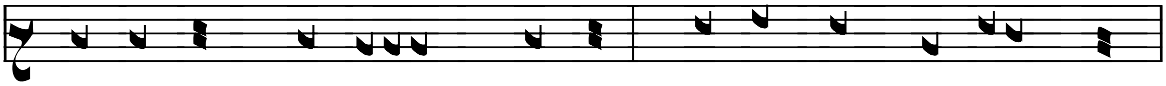

Не кто-мꙋ̀ плá- менное ѻ҆рꙋ́- жі- е хра-ни́тъ врáтъ є҆- дéм- скихъ:

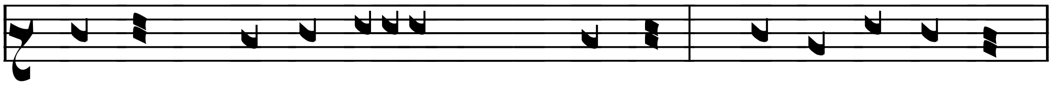

на тꙑ̀- ѧ бо нáйде преслáвный со- ю́зъ дрé- во крéст-но- е,

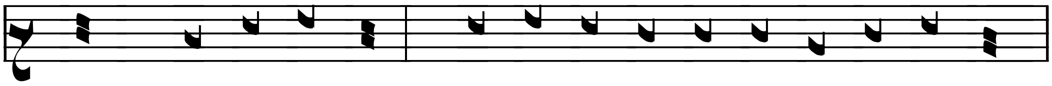

смéрт- но- е жá- ло, и҆ а҆́- до- ва по- бѣ́- да про-гнá- сѧ.

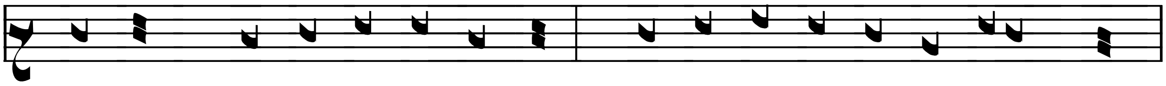

пред-стáлъ бо є҆- сѝ сп҃- се мо́й, во- пі- ѧ̀ сꙋ́-щымъ во а҆́- дѣ:

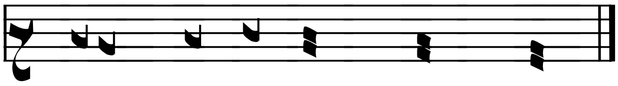

вни́- ди- те пá- ки въ рáй.

І҆́косъ:

Трѝ кр҃тꙑ̀ водрꙋзѝ на голго́ѳѣ пїлáтъ,
двà разбо́йникѡвъ, и҆ є҆ди́нъ жизнодáвца.
Є҆го́же ви́дѣ а҆́дъ, и҆ речѐ сꙋ́щымъ до́лѣ:
ѽ слꙋгѝ моѝ, и҆ си́лꙑ моѧ̑!
ктò водрꙋзи́въ гво́здїе въ се́рдце моѐ,
древѧ́нымъ мѧ̀ копїе́мъ внезáпꙋ прободѐ;
и҆ растерзáюсѧ, внꙋ́треннїми мои́ми болю̀, ѹ҆тро́бою ѹ҆ѧзвлѧ́юсѧ,
чꙋ́вства моѧ̑ смꙋщáютъ дꙋ́хъ мо́й,
и҆ понꙋждáютсѧ и҆зрыгáти а҆дáма, и҆ сꙋ́щыѧ ѿ а҆дáма,
дре́вомъ дáнныѧ мнѣ̀: дре́во бо сїѐ

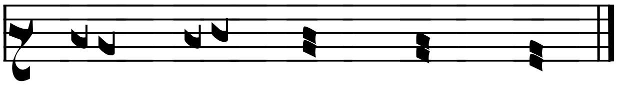

ввó- дитъ пá- ки въ рáй.

Το προσταχθέν μυστικώς λαβών έν γνώσει,
εν τή σκηνή του Ιωσήφ σπουδή επέστη,
ο ασώματος λέγων τή Απειρογάμω.

Ο κλίνας τή καταβάσει τους ουρανούς,
χωρείται αναλλοιώτως όλος εν σοι·
ον καί βλέπων εν μήτρα σου,

λαβόντα δούλου μορφήν,
εξίσταμαι κραυγάζειν σοι·
Χαίρε Νύμφη ανύμφευτε.

Εν Παραδείσω μέν τό πρίν, ξύλω εγύμνωσεν,
επί τή γεύσει ο εχθρός, εισφέρων νέκρωσιν,
τού Σταυρού δέ τό ξύλον, τής ζωής τό ένδυμα.

ανθρώποις φέρον επάγη επί τής γής,
καί Κόσμος όλος επλήσθη πάσης χαράς,
όν ορώντες προσκυνούμενον,

Θεώ εν πίστει λαοί
συμφώνως ανακράξωμεν,
Πλήρης δόξης ο οίκος αυτού.

---

po 3. piesni

Ο Σταυρός σου Κύριε ηγίασται, /
εν αυτώ γάρ γίνονται ιάματα /
τοίς ασθενούσιν εν αμαρτίαις. //

δι' αυτού σοι προσπίπτομεν, /
Ελέησον ημάς. //

Σήμερον τό Προφητικόν πεπλήρωται λόγιον, /
ιδού γάρ προσκυνούμεν εις τόν τόπον
ού έστησαν οι πόδες σου Κύριε, //
καί ξύλου σωτηρίας γευσάμενοι /
τών εξ αμαρτίας παθών ελευθερίας ετύχομεν /
πρεσβείαις τής Θεοτόκου μόνε φιλάνθρωπε. //

Μόνον επάγη τό ξύλον Χριστέ τού Σταυρού σου,
τά θεμέλια εσαλεύθησαν τού θανάτου Κύριε, //
όν γάρ κατέπιε πόθω ο Άδης / απέλυσε τρόμω, //
έδειξας ημίν / τό σωτήριόν σου Άγιε /
καί δοξολογούμέν σε Υιέ Θεού, Ελέησον ημάς. //

Θεοτόκε Παρθένε ικέτευε τόν Υιόν σου /
τόν εκουσίως προσπαγέντα εν Σταυρώ //
καί αναστάντα εκ νεκρών /
Χριστόν τόν Θεόν ημών /
σωθήναι τάς ψυχάς ημών. //

Po 6. piesni

Ουκέτι φλογίνη ρομφαία φυλάττει τήν πύλην τής Εδέμ, //
αυτή γάρ επήλθε παράδοξος σβέσις / τό ξύλον τού Σταυρού, /
θανάτου τό κέντρον, / καί Αδου τό νίκος ελήλαται, //
επέστης δέ Σωτήρ μου / βοών τοίς εν Άδη, /
Εισάγεσθε πάλιν εις τόν Παράδεισον. //

Ο Οίκος
Τρείς σταυρούς επήξατο εν Γολγοθά ο Πιλάτος, 15
δύω τοίς ληστεύσασι, καί ένα τού Ζωοδότου, 15
όν είδεν ο Άδης, καί είπε τοίς κάτω, 6+6
Ω λειτουργοί μου καί δυνάμεις μου 10
τίς ο εμπήξας ήλον τή καρδία μου, 11
ξυλίνη με λόγχη εκέντησεν άφνω 11
καί διαρρήσομαι, τά ένδον μου πονώ, τήν κοιλίαν μου αλγώ, 6+6+7
τά αισθητήριά μου, μαιμάσσει τό πνεύμά μου, 7+7
καί αναγκάζομαι εξερεύξασθαι τόν Αδάμ καί τούς εξ Αδάμ, 6+8+5
ξύλω δοθέντας μοι, 6
ξύλον γάρ τούτους εισάγει πάλιν εις τόν Παράδεισον. 5+10